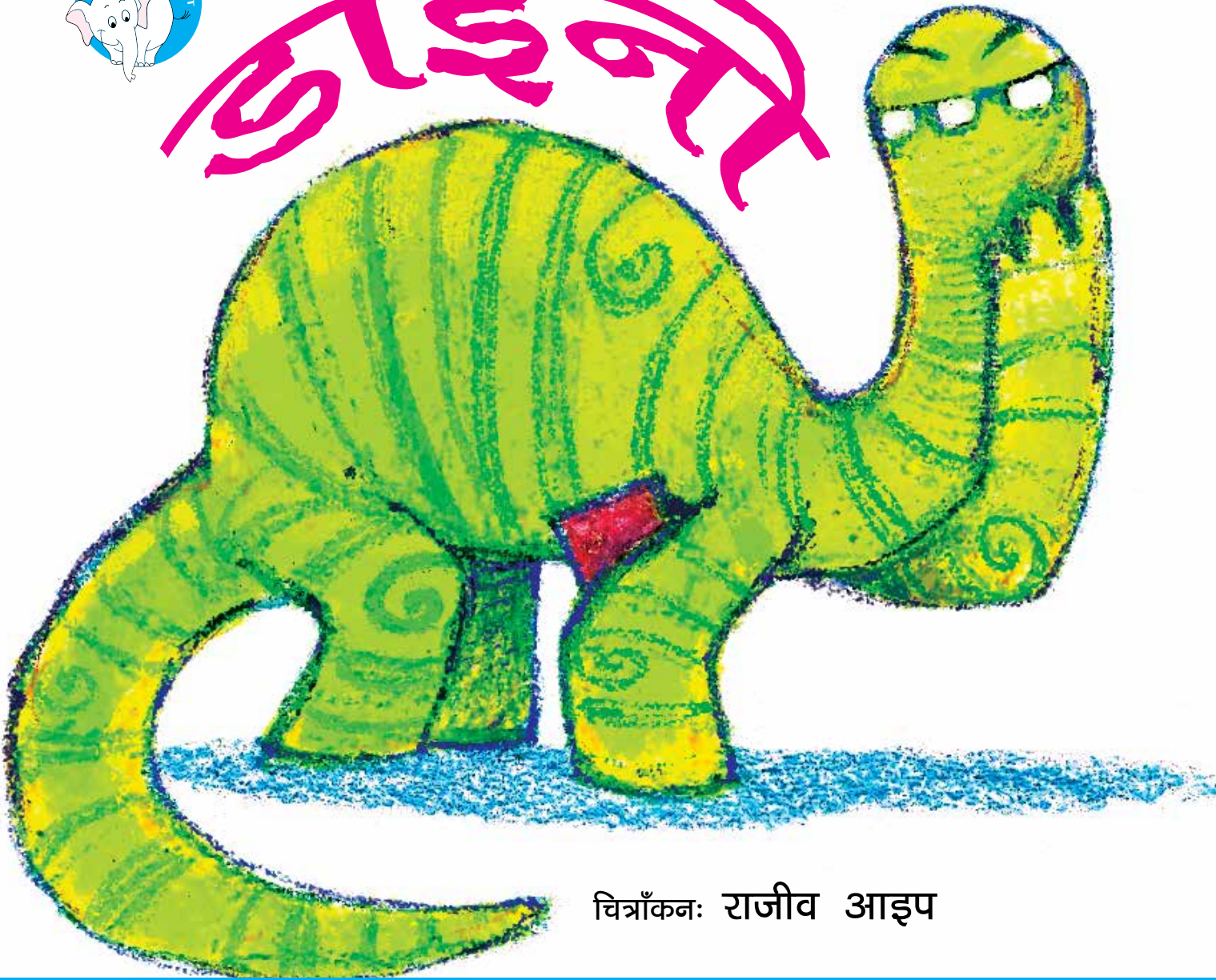




डाइना



चित्रांकन: राजीव आइप



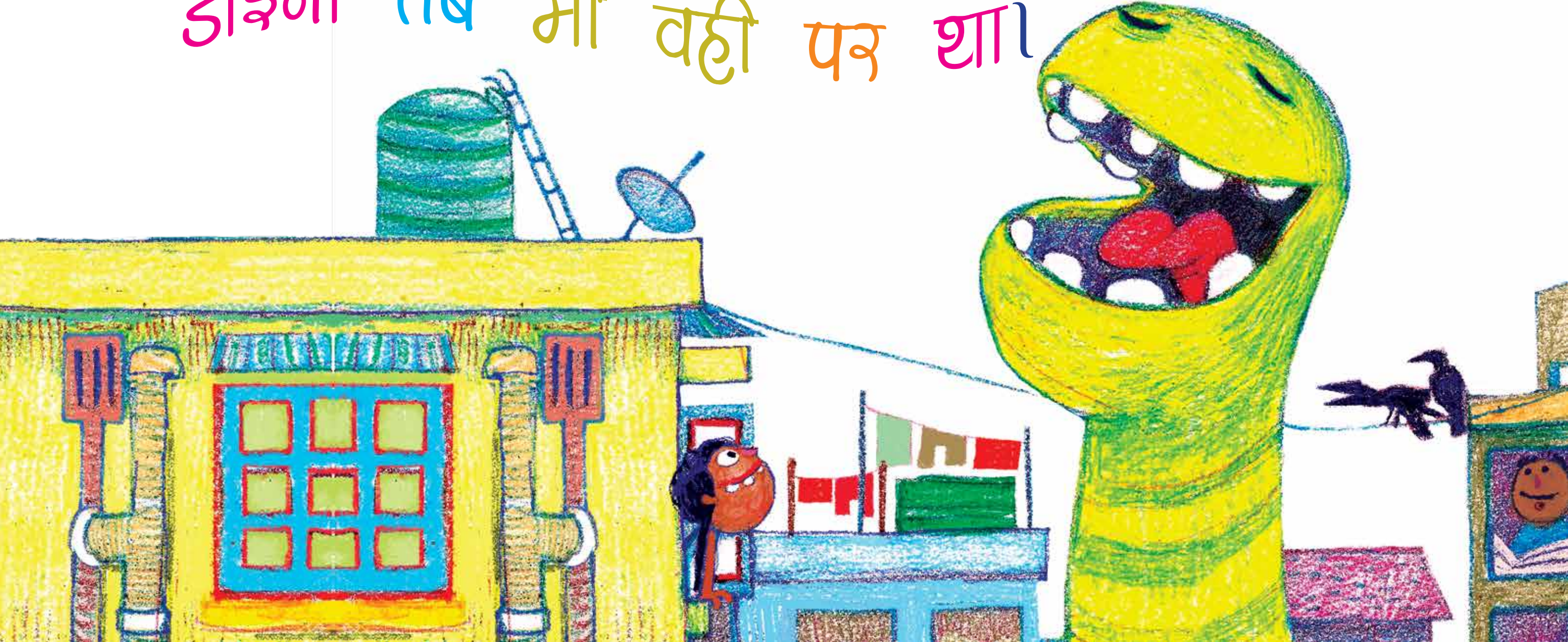
कथा की 300एम थिंकबुक



ਜੱਬ ਵਹ
ਜਾਗੀ ...



डाइनो तब भी वही पर था।





अंदाजा
लगाओ, उन
सबने क्या
किया ?



सोचो!

कल्पना करो की तुमने
डाइनो देखा!
क्या तुम्हें डर लगेगा ?



पूछो!

अगर असुर

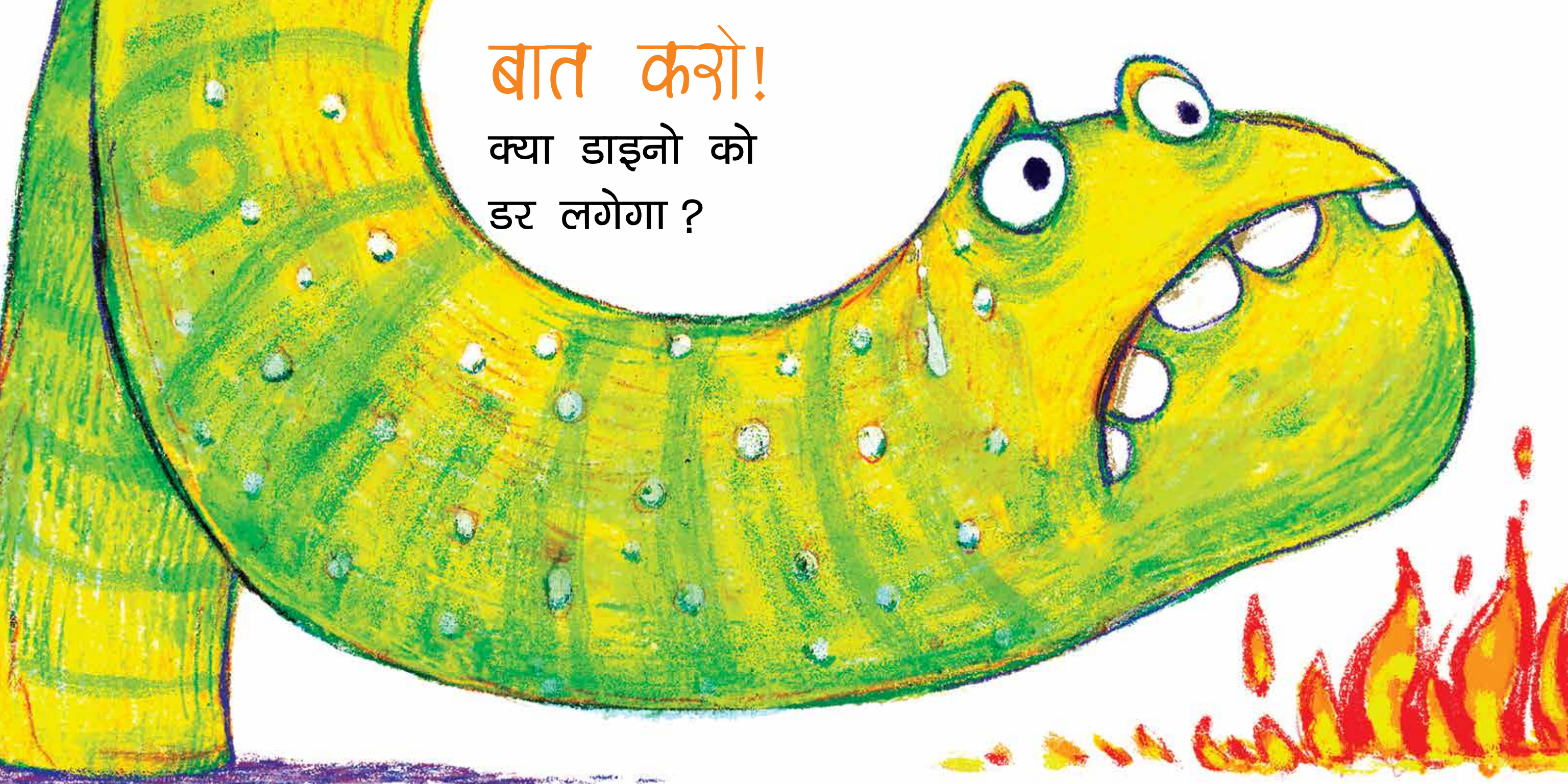
देखा ?

क्या तुम डर

जाओगे ?

बात करो!

क्या डाइनो को
डर लगेगा ?

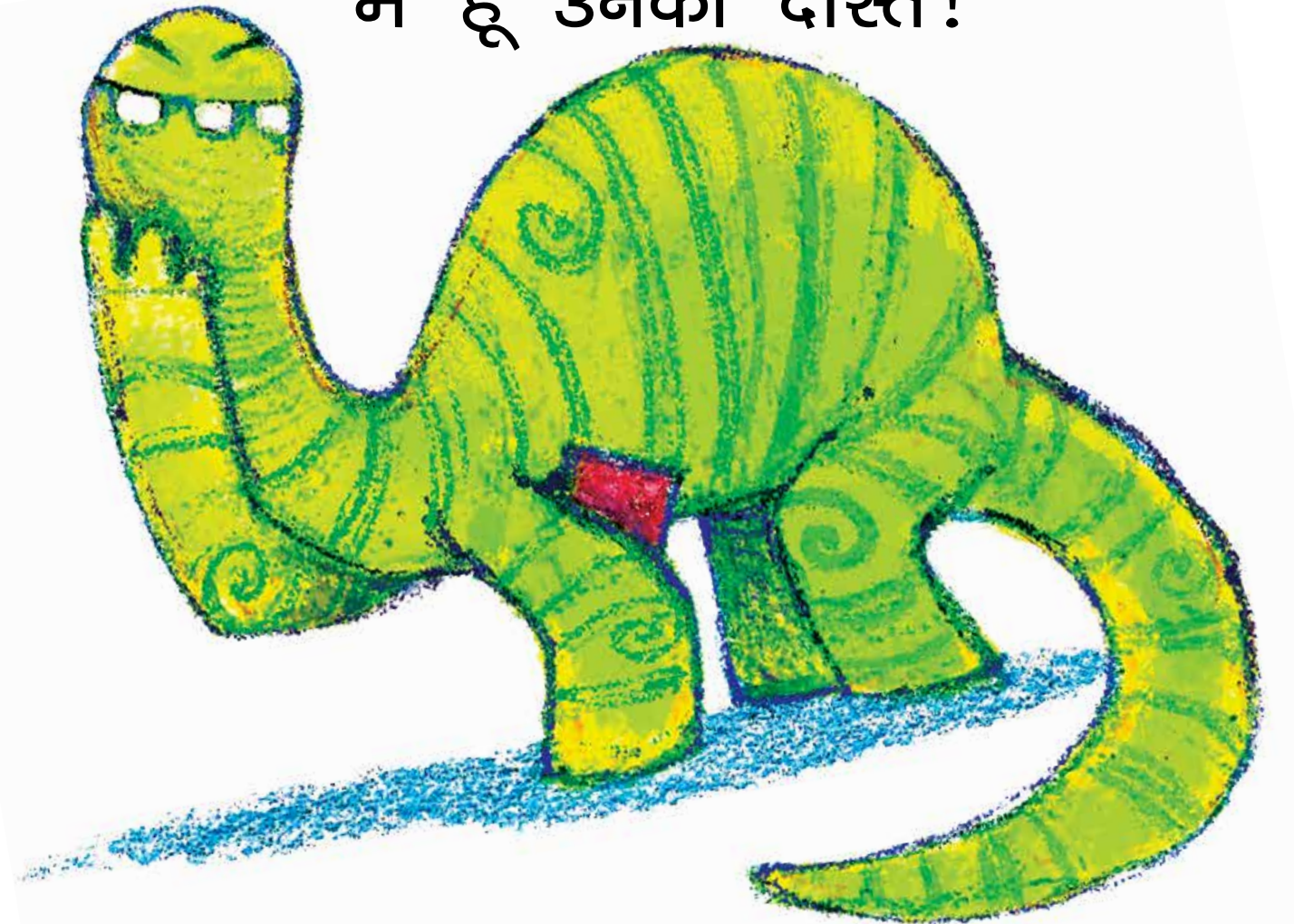


क्या ऐसा हो सकता है, कि बच्चे मुझसे
ना डरें? और डाइनो से भी ना डरें?

डर केवल मन में होता है!
बच्चों को यह बात पता है!



हाँ! हाँ! हाँ!
वे मेरे दोस्त हैं!
मैं हूँ उनका दोस्त!



ऑगस्टो मॉन्टेरोसो हॉण्डुरा के लेखक थे (बाद में उन्होंने ग्वाटेमाला की नागरिकता ले ली)। उन्होंने जीवन भर छोटी कहानियों को बेहतर बनाने पर कार्य किया। उनकी कहानियाँ में हास्य के लिए जानी जाती हैं। विश्व की सबसे छोटी कहानी – 'एल डाइनोसॉरियो', – 'द डायनासोर' – उन्होंने लिखी है।

गीता धर्मराजन तमिल नाडु के तंजावुर जिले से हैं। वे बच्चों के लिए कहानियाँ लिखती हैं। उन्होंने 1988 में कथा की स्थापना की। उन्हें कई पुरस्कार मिले हैं और पद्म श्री से भी सम्मानित किया गया है।

राजीव आइप ने जे.जे स्कूल ऑफ आर्ट से फाइन आर्ट्स में शिक्षा प्राप्त की है। उन्होंने नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद, से 'एनीमेशन फिल्म डिजाइन' सीखा है। वे मुंबई में रहते हैं और टेलीविजन में एनीमेशन और ग्राफिक्स बनाते हैं। वह कल्पना करते हैं की वह टैक्सी चला कर कमायें।

कथा

कथा एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त गैर-लाभकारी संस्था है जो कि शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में सन् 1988 से काम कर रही है। गरीबी में रहने वाले बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देने का व उनके लिए विशेष किताबें बनाने का कथा के पास लगभग 30 साल का अनुभव है।

"भारत के मुकुट पर एक शैक्षिक हीरा!"

– नाओकी शिनोहरा, उपप्रबंध निर्देशक, आईएमएफ

"कथा का काम इस विचार से प्रेरित है कि बच्चे अपने समुदायों में स्थायी बदलाव ला सकते हैं। जैसे कि बच्चे करते हैं (कथा की किताबों में)।"

– पेपरटाइगर्स

"कथा बच्चों के लिए नर्म दिल है। तभी तो कथा बच्चों के लिए इतनी खूबसूरत किताबें बनाती है।"

– टाइम आउट

"कथा दुनिया भर में उन रचनात्मक संगठनों के लिए एक उदाहरण है जो शहरों के सुधार के लिए काम करते हैं।"

– चार्ल्स लैड्री, द आर्ट ऑफ सिटी मेकिंग

डाइनो और बच्चों के बारे में और पढ़ने के लिए कथा की गीता धर्मराजन द्वारा लिखी किताब 'डायनासोर 127 बच्चों जितना लम्बा' पढ़ें।



पहला हिंदी संस्करण 2021

कृति स्वामित्व © कथा, 2012, 2021

लेखन कृति स्वामित्व © ऑगस्टो मॉन्टेरोसो

फोटो कृति स्वामित्व © कथा

स्वत्वाधिकार सुरक्षित। प्रकाशक की आज्ञा के बिना इस किताब के किसी भी भाग को छापना अथवा अन्य किसी पुनः प्रयोग विधि के रूप में प्रतिकृति या इस्तेमाल वर्जित है।

नयी दिल्ली द्वारा मुद्रित

हमारा लक्ष्य: हर बच्चा आनंद और अर्थवत्ता के लिए पढ़ें।

कथा एक पंजीकृत आलंभकारी संस्था है जिसकी स्थापना 1988 में किया गया था। कथा शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में काम करती है। कथा का मुख्य उद्देश्य है बच्चों और बड़ों में पढ़ने में रुचि एवं इससे मिलती खुशी को बढ़ावा देना। कथा 1,00,000 से भी अधिक बच्चों के साथ काम करती है ताकि वे मजे के लिए और कक्षा स्तर पर पढ़ सकें।

ए-3 सर्वोदय एन्चलेव, श्री औरोबिन्दो मार्ग, नयी दिल्ली – 110017

दूरभाष: 4141 6600 - 4141 6624 - 4182 9998

ई-मेल: marketing@katha-org

वेबसाइट: www-katha-org | www-books-katha-org

इस किताब की बिक्री में मिली राशि का 10% बच्चों की शिक्षा के लिए कथा स्कूल को दिया जाएगा।

कथा नियमित रूप से उस लकड़ी के बदले पेड़ लगाती है, जिससे हमारी किताबों को छापने का कागज बनता है।



यह पुस्तकें कथा ने बहुत ध्यान और स्नेह के साथ बनायीं हैं। यह 5 से 12 वर्ष आयु के बच्चों के लिए हैं।

यह हमारे 'UntextBook Initiative' का हिस्सा हैं। बच्चों को पढ़ने का आनंद आये उसके लिए हम बेहतरीन साहित्य और कला का इस्तेमाल करते हैं।

अपने बच्चों के बिना शब्दों वाली किताबों से 1200 शब्दों वाली कहानियों की यात्रा कराएँ।

इसमें 3500 वर्ष पुराने साहित्य से कहानियाँ और कविताएँ हैं।

अपने बच्चों के साथ इन्हें पढ़ें। उनकी कल्पना को नयी उड़ान दें।

हमारे साथ '300 Million Citizens' Challenge' का हिस्सा बनिए। एक ऐसी दुनिया के निर्माण के लिए जहाँ बच्चे आनंद से पढ़ें और समझें। हमसे जुड़ें: 300m@katha-org स्वयंसेवा के लिए: volunteer@katha-org पर हमें लिखें

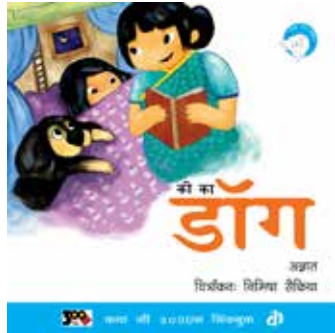
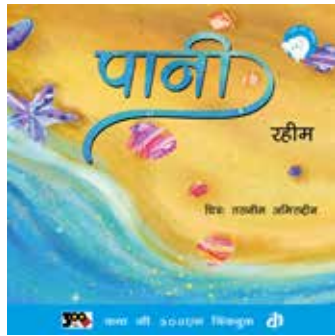
'I Love Reading' Library कथा की एक खास श्रृंखला है। यह नए और संकोची बच्चों को सहजता से पढ़ना सिखाती है। इसका पाठ्यक्रम अलग – अलग स्तर पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान में रख कर बनाया गया है। यह बेहतरीन साहित्य और कला को भारत एवं दुनिया भर से एकत्रित कर बनायी गयी है। यह किताबें गीता धर्मराजन के 'StoryPedagogy' पर आधारित हैं। यह एक खास तरह का मॉडल है जो पहले स्कूल नहीं गए हुए बच्चों के लिए बनाया गया था। बच्चों को 'TADAA' (Think, Ask, Discuss, Act and Achieve) और 'बड़े विचारों' के द्वारा यह उनमें पढ़ने की खुशी और समझने की क्षमता बढ़ता है।

Katha's Holistic Early Learning (KHEL!) लैब सरकारी, निजी और गैर – लाभकारी विद्यालयों में कार्यशालाएँ कराती है। यह ऑनलाइन चलने वाली कार्यशालाएँ हैं। इसमें शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधकों और स्वयं सेवकों को प्रमाण पत्र भी दिया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए 300m@katha-org पर जाएँ।

आनंद और समझने के लिए पढ़ो

यह सभी आई.एल.आर किताबें हैं



FOR OUR BOOKS

www.books.katha.org

"[Katha]...a special and unique moment in Indian Publishing history."
— The iconic The Economic Times

a katha book for children

ISBN-978-93-88284-81-3

9 789388 284813

www.katha.org

₹ xxx

इसकी बनू में